राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 84

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 2 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

कभी रोटी के थे लाले, आज सौ महिलाओं को दे रहीं रोजगार

देहरादून : उत्तराखंड के देहरादून स्थित विकासनगर ब्लॉक के ग्राम फतेहपुर निवासी श्यामा चौहान का जीवन प्रेरणा से कम नहीं है। श्यामा ने न सिर्फ सामाजिक बंदिशों को तोड़ खुद सफलता का मुकाम छुआ बल्कि 100 से अधिक महिलाओं को रोजगार भी दे रही हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

गुहार गई बेकार तो उठाया औजार, खुद बना रहे सड़क

रांची : झारखंड के हजारीबाग जिले में कस्तयारी गांव के लोग भी दशरथ मांझी (बिहार) के रास्ते पर चल चुके हैं। यहां के लोग भी पिछले कुछ माह से प्रत्येक रविवार को श्रमदान कर तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण कर रहे हैं, ताकि आवागमन में सुविधा हो। (पेज-11)

मालदीव की संसद में भी पिटा पाक

खरी-खरी ▸ स्पीकरों के सम्मेलन में कश्मीर मसला उठाने की कोशिश, भारत ने फटकारा

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की दो टूक, अपनों का नरसंहार करने वाले हमें न दें नसीहत

माले, प्रेट्र : कश्मीर के मुद्दे पर पाक को फिर मुंह की खानी पड़ी। पाकिस्तान ने मालदीव की संसद में दक्षिण एशियाई स्पीकर समिट के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाने की कोशिश की, लेकिन सतर्क भारतीय प्रतिनिधि ने उसकी कोशिश नाकाम कर दी और कहा कि उसे आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना चाहिए, जो मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की यह एक और शिकस्त है। इसके पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी कश्मीर का राग अलापने में उसे और उसके साथी चीन को मुंह की खानी पड़ी थी।

मालदीव की संसद में समिट के लिए जुटे दक्षिण एशियाई देशों के प्रतिनिधियों के सामने दोनों देशों के बीच गरमागरम बहस हुई। दरअसल, समिट में सतत विकास के लक्ष्यों (एसडीजी) पर चर्चा हो रही थी, उसी दौरान पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी ने कश्मीर का मुद्दा उठाने की कोशिश की। भारत की तरफ से राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने तुरंत इस

> हम भारत के आंतरिक मामले को इस मंच पर उठाने का पुरजोर विरोध करते हैं। समिट के बाहर के विषय को उठाकर इस मंच का राजनीतिकरण करने को भी पूरी तरह से खारिज करते हैं। पाकिस्तान को पहले अपने भीतर झांकना चाहिए
>
> **– हरिवंश नारायण सिंह, उपसभापति, राज्यसभा**

पर व्यवस्था का प्रश्न (प्वाइंट ऑफ आर्डर) उठाया। पीठासीन अधिकारी ने सूरी से कहा कि वह हरिवंश नारायण सिंह को बोलने दें, लेकिन उन्होंने एक न सुनी, जिस पर थोड़े समय के लिए हंगामा हो गया।

भारत का करारा जवाब : हरिवंश नारायण सिंह ने करारा जवाब देते हुए भारत के आंतरिक मामले को उठाने और इस मंच का राजनीतिकरण करने के लिए पाकिस्तान पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा, 'क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए पाकिस्तान सीमापार के आतंकवाद खत्म करे और आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे। आज आतंकवाद पूरी मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। इसलिए हमें एकराय से किसी भी तरह के दुष्प्रचार को इस सम्मेलन का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए।'

पाकिस्तानी सांसद का विरोध :

पाक प्रतिनिधि कुरातुलैन मैरी को जवाब देते राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश (वीडियो ग्रैब)

पाकिस्तान की सांसद कुरातुलैन मैरी ने हरिवंश का विरोध करते हुए कहा कि मानवाधिकारों के बिना महिलाओं और युवाओं के सतत विकास के लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता।

हरिवंश का पलटवार : हरिवंश नारायण सिंह ने पाकिस्तान पर पलवार करते हुए कहा कि अपनों का नरसंहार करने वाले देश को मानवाधिकार के मुद्दे पर बात करने करने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने एक बार फिर व्यवस्था का सवाल उठाते हुए कहा, 'महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि इस देश को मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दे को उठाने का नैतिक अधिकार क्या है? दुनिया जानती है कि किस तरह इन्होंने (पाकिस्तान ने) अपने ही देश के एक हिस्से में नरसंहार किया था। यही हिस्सा अलग होकर बांग्लादेश बन गया है।'

बताई पाकिस्तान की हकीकत : हरिवंश ने आगे कहा, 'चूंकि उन्होंने कश्मीर के मानवाधिकार का मुद्दा उठाया है, इसलिए मैं सच्चाई बताना चाहूंगा कि पाकिस्तान ने हमारे कश्मीर के एक हिस्से पर कब्जा जमा रखा है, जिसे गुलाम कश्मीर कहते हैं। पाकिस्तान ने 1947 में अवैध रूप से गुलाम कश्मीर पर कब्जा कर लिया था, जिसके दो हिस्से हैं-गुलाम कश्मीर और गिलगित बाल्तिस्तान (जीपी)।'

गुलाम कश्मीर का बुरा हाल : पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए हरिवंश ने कहा, 'पाक ने गुलाम कश्मीर के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। संवैधानिक इकाई के रूप में यह अनूठा क्षेत्र है। यह न तो कोई देश है और न ही कोई प्रांत।'

पाक सांसद को स्पीकर ने रोका : इस पर पाकिस्तान की सांसद कुरातुलैन मैरी ने फिर कुछ कहना चाहा तो मालदीव संसद के स्पीकर मोहम्मद नशीद ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने समिट से बाहर के विषय को उठाने की अनुमति नहीं दी। दो दिवसीय इस सम्मेलन में शिरकत कर रहे भारतीय प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला, लोकसभा की महासचिव स्नेहलता श्रीवास्तव और राज्यसभा के महासचिव देश दीपक वर्मा भी शामिल हैं। इसमें सम्मेलन में भारत और मालदीव के साथ ही अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका की संसद के स्पीकर भी शिरकत कर रहे हैं।

जाधव को भारतीय राजनयिक से मिलाने का पाक का प्रस्ताव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कुलभूषण जाधव को आज राजनयिक पहुंच दी जाएगी
- पिछले माह भी भेजा था सशर्त प्रस्ताव, भारत ने किया था नामंजूर

पाकिस्तान में कैद भारतीय नौसेना के पूर्व अफसर कुलभूषण जाधव को भारत के राजनयिकों से मिलाने का प्रस्ताव फिर पाकिस्तान ने भेजा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुहम्मद फैजल ने देर शाम ट्विटर पर इस बारे में जानकारी दी है। फैजल ने लिखा है कि भारतीय नौसेना के अधिकारी व रॉ के एजेंट कमांडर कुलभूषण जाधव को विएना समझौते, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले और पाकिस्तानी कानून के मुताबिक दो सितंबर, 2019 को राजनयिक पहुंच दी जाएगी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान का यह नया प्रस्ताव उसके पुराने प्रस्ताव से कितना भिन्न है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन विदेश मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि वह प्रस्ताव तभी मंजूर करेंगे अगर वह अंतरराष्ट्रीय अदालत के फैसले के अनुरूप होगा।

पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने ठीक एक महीने पहले यानी एक अगस्त, 2019 को भी इस तरह का प्रस्ताव दिया था लेकिन उसे भारत ने ठुकरा दिया था। भारत ने कहा था कि पाकिस्तान का प्रस्ताव कई तरह की शर्तों के साथ है। पाकिस्तान ने जाधव को दो भारतीय राजनयिकों से मिलने की इजाजत तो दी थी लेकिन यह शर्त रखी थी कि उसके साथ एक पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी भी होगा। इस पर भारत ने एतराज जताया था

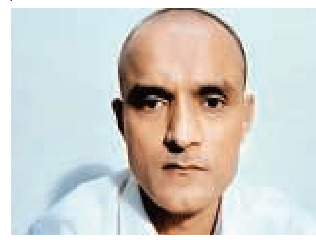

कुलभूषण जाधव फाइल फोटो

कि यह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के अनुरूप नहीं है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि जाधव को एक स्वतंत्र व निष्पक्ष माहौल में भारतीय राजनयिकों से मिलने की छूट होनी चाहिए। भारत का अभी भी स्पष्ट तौर पर मानना है कि जाधव से निर्बाध तरीके से भेंट का प्रस्ताव ही स्वीकार होगा।

सनद रहे कि भारत ने आइसीजे का फैसला आने के तुरंत बाद ही पाक से आग्रह किया था कि उस फैसले के सही संदर्भ में ही शीघ्रता से हर कदम उठाया जाना चाहिए। इसमें जाधव को राजनयिकों से मुलाकात का मुद्दा सबसे अहम है क्योंकि इसी से आगे जाधव के खिलाफ पाक में चलाए जा रहे कानूनी प्रक्रिया को लेकर भारतीय पक्षकार अपनी रणनीति बना सकेंगे।

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

'तत्काल' टिकटों से रेलवे को 25 हजार करोड़ की कमाई

नई दिल्ली : 'तत्काल' टिकटों से रेलवे को चार वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त कमाई हुई है। तत्काल टिकट स्कीम 1997 में शुरू की गई थी। इसका मकसद आखिरी वक्त पर यात्रा का निर्णय लेने वाले यात्रियों को आरक्षण उपलब्ध कराना था। इसकी शुरुआत चुनिंदा ट्रेनों से हुई थी।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 5

अनुच्छेद 370 पर आतंकियों और कश्मीरियों में पोस्टर वार

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में लोग अब मुखर होकर अपनी बात कह रहे हैं। ऐसे में एक तरफ जहां आतंकवादी लोगों में डर फैलाने के लिए धमकी भरे पोस्टर जारी कर रहे हैं। वहीं, जवाब में अनुच्छेद 370 हटाने के समर्थक भी पोस्टर जारी कर केंद्र के फैसले को सही ठहरा रहे हैं।

बिजनेस ▸ पृष्ठ 12

एक लाख करोड़ रुपये के भीतर ही रहा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली : जीएसटी से होने वाला संग्रह अगस्त में एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। इस माह देश में जीएसटी का कुल संग्रह 98,202 लाख करोड़ रहा है। जुलाई में संग्रह 1.02 लाख करोड़ रहने से यह उम्मीद बंधी थी कि आने वाले महीनों में यह और सुधरेगी। अगस्त में जीएसटी संग्रह की वृद्धि दर भी जुलाई में दर्ज 6.6 फीसद के मुकाबले घटकर 4.5 फीसद पर आ गई है।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 13

हांगकांग में हिंसक प्रदर्शन, रोकीं एयरपोर्ट जाने वाली ट्रेनें

हांगकांग : हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों ने रविवार को शहर के एयरपोर्ट को जाने वाले मार्गों को बंद कर प्रदर्शन किया। जिसके चलते एयरपोर्ट की ओर जाने वाली ट्रेन सेवा को निलंबित करना पड़ा। बता दें कि हांगकांग में तीन माह से सरकार विरोधी प्रदर्शनों में लगातार तेजी दिखाई दे रही है। ये प्रदर्शन जून में प्रत्यर्पण संबंधित विधेयक को वापस लेने को लेकर शुरू हुए थे।

विलय से ना कोई बैंक बंद होगा, ना किसी की नौकरी जाएगी

- आशंकाओं के बादल छांटते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने दिलाया भरोसा
- शुक्रवार को वित्त मंत्री ने 10 सरकारी बैंकों के विलय का किया था एलान

चेन्नई, प्रेट्र : दो दिन पहले 10 सरकारी बैंकों का विलय कर चार बैंक बनाने के सरकार के एलान से पसरी आशंकाओं को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिरे से खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विलय के इस कदम से ना कोई बैंक बंद होगा, ना ही किसी की नौकरी जाएगी।

वित्त मंत्री ने कहा, 'यह पूरी तरह से गलत सूचना है। इन सभी बैंकों के यूनियनों को सुनिश्चित करना चाहती हूं कि शुक्रवार को कही गई मेरी बात पर ध्यान दें। बैंकों के विलय की बात करते हुए मैंने स्पष्ट रूप से कहा है कि एक भी कर्मचारी हटाया नहीं जाएगा।' शुक्रवार को सरकार ने 10 सरकारी बैंकों को मिलाकर चार बड़े बैंक बनाने का एलान किया था। इसके तहत पंजाब नेशनल बैंक, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स व युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आंध्रा बैंक व कॉरपोरेशन बैंक, केनरा बैंक व सिंडिकेट बैंक और इंडियन बैंक व इलाहाबाद बैंक का विलय होना है। अर्थव्यवस्था को गति देने और भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है। अब देश में 12 सरकारी बैंक रह जाएंगे।

क्यों देना पड़ा स्पष्टीकरण?

बैंकों के विलय की खबर आते ही अफवाहों का दौर शुरू हो गया था। वित्त मंत्री के आश्वासन के बाद भी लोगों में यह आशंका घर कर रही थी कि विलय से बड़े पैमाने पर बैंक कर्मियों की नौकरियां जाएंगी। इन आशंकाओं को दूर करने के लिए वित्त मंत्री को दोबारा स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी।

चेन्नई में रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कान्फ्रेंस में अर्थव्यवस्था में मंदी से इन्कार किया। प्रेट्र

वित्त मंत्री ने यह भी कहा

बैंकों के हालात पर : बैंकों को मजबूत करने के लिए सरकार उनमें और पूंजी डाल रही है। पूंजी मिलने से बैंक और बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे।

मंदी व रोजगार पर : सीधे जवाब से बचते हुए कहा कि हर सेक्टर पर सरकार की नजर है। हर सेक्टर की अपनी अलग समस्या होती है। सरकार उन्हें समझते हुए कदम उठा रही है।

ऑटो सेक्टर पर : पहली अप्रैल से बीएस-6 वाहन आने हैं। इस बदलाव का असर फिलहाल सेक्टर के प्रदर्शन पर पड़ रहा है। मंत्री ने कहा कि ऑटोमोबाइल पर जीएसटी कटौती का फैसला जीएसटी काउंसिल करेगी।

अर्थव्यवस्था की बदहाली का सच स्वीकारें वित्त मंत्री : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधा है। प्रियंका ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति पर राजनीति करने से बचते हुए वित्त मंत्री को जनता के सामने स्थिति साफ करनी चाहिए। प्रियंका ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को स्वीकार करना चाहिए कि अर्थव्यवस्था में मंदी के हालात हैं।

राजीव सरकार से इस्तीफा देने वाले आरिफ बने राज्यपाल

- भगत सिंह कोश्यारी, टी सौंदरराजन, बंडारू दत्तात्रेय भी बनाए गए राज्यपाल, हिमाचल से राजस्थान भेजे गए कलराज
- आरिफ मुहम्मद ने तीन तलाक और अनुच्छेद 370 पर मोदी सरकार का किया था समर्थन

आरिफ मुहम्मद खान फाइल फोटो

नई दिल्ली, प्रेट्र : शाहबानो मुद्दे पर राजीव गांधी सरकार से इस्तीफा देने वाले आरिफ मुहम्मद खान केरल के राज्यपाल होंगे, वह देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश पी. सदाशिवम का स्थान लेंगे, जिनका राज्यपाल के रूप में कार्यकाल हाल ही में पूरा हुआ है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को केरल के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना के नए राज्यपाल भी नियुक्त किए। नए राज्यपालों में भाजपा के तीन नेता शामिल हैं। नए राज्यपालों के पदभार ग्रहण के बाद उनकी नियुक्ति प्रभावी मानी जाएगी।

प्रगतिशील मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले 68 वर्षीय आरिफ ने तीन तलाक और कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के मोदी सरकार के फैसले का समर्थन किया था। वह राजीव गांधी सरकार में मंत्री थे। 1986 में शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संसद में कानून बनाकर पलटे जाने के विरोध में उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में जन्मे आरिफ 2007 में भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन बाद में सक्रिय राजनीति से दूर हो गए।

तमिलनाडु की भाजपाध्यक्ष डॉ. तमिलीसाइ सौंदरराजन को तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है। अभी तक ईएसएल नरसिम्हा तेलंगाना के राज्यपाल थे। अपनी नियुक्ति पर सौंदरराजन ने कहा, इससे उनके कांग्रेसी पिता खुश होंगे।

भाजपा नेता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रह चुके 77 वर्षीय भगत सिंह कोश्यारी को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है, जो विद्या सागर राव का स्थान लेंगे। भाजपा नेता कलराज मिश्र को हिमाचल प्रदेश से राजस्थान भेजा गया है। 78 वर्षीय कलराज उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का स्थान लेंगे, जिनका राजस्थान के राज्यपाल के रूप में तीन सितंबर को पांच साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता 72 वर्षीय बंडारू दत्तात्रेय को कलराज के स्थान पर हिमाचल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। दत्तात्रेय ने इसके लिए प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया।

क्या था शाहबानो मामला : मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी शाहबानो को उनके पति मुहम्मद खान ने 1978 में तलाक दे दिया था। पांच बच्चों की मां 62 वर्षीय शाहबानो ने गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून की शरण ली। मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा और शीर्ष अदालत ने अपराध दंड संहिता की धारा 125 के अंतर्गत शाहबानो के हक में फैसला देते हुए मुहम्मद खान को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड समेत मुस्लिम कट्टरपंथियों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पुरजोर विरोध किया। कट्टरपंथियों के दबाव में राजीव गांधी सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को मिलने वाले मुआवजे को निरस्त करते हुए एक साल के भीतर मुस्लिम महिला (तलाक में संरक्षण का अधिकार) अधिनियम, (1986) पारित कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था।

आरिफ बोले, यह सेवा करने का मौका : राज्यपाल नियुक्त होने पर आरिफ मुहम्मद ने कहा, 'मेरे लिए यह सेवा करने का एक मौका है। साथ ही देश के एक ऐसे हिस्से को जानने का शानदार अवसर है, जो देश की सीमा से लगा है। विविधताओं वाले इस देश में मेरा जन्म होना सौभाग्य है। इस देश को देवभूमि कहा जाता है।'

उसूलों पर आंच आई तो टकराने से नहीं चूके आरिफ मुहम्मद खान पेज>>4

पाक में एक और हिंदू लड़की का अपहरण, इस्लाम कुबूल कराया

- बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से स्नातक कर रही छात्रा 29 अगस्त से लापता
- भारत ने जताई आपत्ति, पाकिस्तान को कड़ी कार्रवाई के लिए कहा

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान में जबरन धर्मांतरण का एक और मामला सामने आया है। सिंध प्रांत के सुक्कुर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (आइबीए) में स्नातक की छात्रा को कथित रूप से अगवा कर जबरन इस्लाम कुबूल कराया गया। छात्रा की पहचान रेणुका कुमारी के रूप में हुई है। ऑल पाकिस्तान हिंदू पंचायत ने फेसबुक पोस्ट के जरिये बताया कि छात्रा 29 अगस्त को कॉलेज के लिए निकली थी और घर नहीं लौटी। भारत ने हिंदू और सिख समुदाय की लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण के मुद्दे पर आपत्ति जताते हुए पाक से सख्त कार्रवाई के लिए कहा है।

युवती के भाई का हालांकि कहना है कि रेणुका अपने सहपाठी बाबर अमान के साथ रिलेशनशिप में थी और दोनों अभी स्यालकोट में हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि रेणुका का भी उसी तरह जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया जिस तरह अन्य लड़कियों का कराया जाता है। रेणुका और अमान सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के कार्यकर्ता मिर्जा दिलावर बेग के स्यालकोट स्थित आवास पर हैं। पुलिस अमान के भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इससे पहले पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 19 वर्षीय जगजीत कौर का अपहरण कर जबरन इस्लाम कुबूल कराया गया था। यह घटना तब सामने आई जब शिरोमणि अकाली दल के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा ने युवती के परिजनों द्वारा बनाया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। परिजनों का आरोप था कि जबरन धर्म परिवर्तन कराकर युवती की मुस्लिम युवक से शादी करा दी गई। इस घटना पर दुनियाभर के सिखों ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी।

नया मोटर एक्ट लागू होने के पहले ही दिन दिल्ली में हुए 3900 चालान

देश की यातायात व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला नया मोटर एक्ट रविवार से लागू हो गया। सड़कों पर नए नियम का असर भी साफ दिखाई दिया। नियमों के उल्लंघन पर भारी-भरकम जुर्माने की व्यवस्था के साथ दिल्ली में पहले ही दिन 3900 चालान हुए। यातायात पुलिस के जवानों की मुस्तैदी का ही असर रहा कि तमाम स्थानों पर लोग मनुहार और दोबारा ऐसा न करने की कसमें खाते दिखे। जागरण

बदलाव

कभी सबीना पार्क में आफत में आ पड़ी थी भारतीय बल्लेबाजों की जान, अब जसप्रीत के आगे नतमस्तक होने पर मजबूर हो रहे कैरेबियाई बल्लेबाज

बुमराह ने सबीना पार्क में 43 साल बाद उलट दिया नजारा

निखिल शर्मा, नई दिल्ली

21 से 25 अप्रैल 1976। किंग्सटन के सबीना पार्क मैदान पर वेस्टइंडीज-भारत के बीच खेला गया टेस्ट। इस टेस्ट को बिशन सिंह बेदी की कप्तानी वाली टीम के सदस्य शायद ही कभी भूल सकेंगे। यह वो टेस्ट मैच था जब माइकल होल्डिंग, वैन डैनियल, बर्नाड जूलियन और वॉनबर्न होल्डर की तेज गेंदबाजों की चौकड़ी ने भारतीय बल्लेबाजों की जान आफत में डाल दी थी। इस मैच में तीन बल्लेबाज चोटिल हुए थे और पांच बल्लेबाज डर की वजह से दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने ही नहीं उतरे थे। आज 43 साल बाद उसी सबीना पार्क मैदान पर 25 वर्षीय भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के आगे कैरेबियाई बल्लेबाज नतमस्तक होने पर मजबूर हो गए हैं। दूसरे टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले बुमराह के प्रदर्शन से जरूर उस दौर के भारतीय बल्लेबाजों के दिलोदिमाग में बैठी कैरेबियाई तेज गेंदबाजों के खौफ की कहानी के दर्द को गर्व में तब्दील कर दिया होगा।

खौफ ने कराया आत्मसमर्पण : 1976 के उस टेस्ट की पहली पारी में कैरेबियाई तेज गेंदबाजों की चौकड़ी ने गुंडप्पा विश्वनाथ की अंगुली तोड़ी, ब्रजेश पटेल के मुंह पर गेंद मारी और अंशुमन गायकवाड़ को तो गेंद कान के पास लगी और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा था। नतीजा यह रहा कि दूसरी पारी में पांच विकेट 97 रन पर गंवाने के बाद बाकी के पांच बल्लेबाजों में से तीन चोटिल होने, जबकि दो खिलाड़ी डर की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं आए और टीम इसी स्कोर पर ऑलआउट होकर 10 विकेट से मैच हार गई। उसी मैदान पर अब अजीबोगरीब एक्शन वाले बुमराह ने अपनी काबिलियत और गति से कैरेबियाई बल्लेबाजों को आइना दिखाया, तो विश्व का सबसे बड़ा बल्लेबाज (विराट कोहली) भी उन्हें 'क्या कमाल का गेंदबाज है' कहने से खुद को नहीं रोक पाया।

कैरेबियाई धरती पर बुमराह एक्सप्रेस : सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों के दौर में पहली बार भारतीय क्रिकेट जसप्रीत बुमराह का दौर देख रहा है। वह दौर जिसमें बुमराह की रफ्तार और स्विंग दुनिया भर के बल्लेबाजों में उसके खौफ की कहानी बयां करती है। अहमदाबाद में जन्मे बुमराह पर 2013 में मुंबई इंडियंस की नजर पड़ी और उनकी जिंदगी बदल गई। अममून चार-पांच कदम चलकर 140 से अधिक की गति से गेंद करना किसी के लिए भी मुमकिन नहीं होता, लेकिन बुमराह इसका सटीक उदाहरण बने। कैरेबियाई धरती पर उनकी गेंद वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए जी का जंजाल बन रही हैं। पहले टेस्ट की पहली पारी में एक भी विकेट नहीं लेने वाले बुमराह दूसरी पारी में दस से भी कम रन देकर पांच विकेट लेते हैं और टीम को जीत दिलाते हैं। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में वह इन स्विंग गेंद से हैट्रिक लगा देते हैं। वेस्टइंडीज को 150 रनों से कम रनों पर समेटने में बुमराह का अहम योगदान है, जिन्होंने छह विकेट लिए। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जिन दो गेंदबाजों का खौफ रहेगा वह बुमराह और इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर ही हैं।

किंग्सटन में दूसरे टेस्ट मैच में विकेट लेने के बाद खुशी जाहिर करते बुमराह।

पहले भरोसा जीता फिर दिल

बुमराह को 2016 में टी-20 टीम में जगह मिली। फिर वह वनडे टीम का हिस्सा बने। क्रिकेट के जानकार उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लायक नहीं मानते थे, लेकिन बुमराह ने कप्तान और टीम का पहले भरोसा जीता और फिर अपने प्रदर्शन से सभी का दिल। बुमराह अच्छी तरह से जानते थे कि क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में उन्हें कुछ नया सीखना होगा और यह उन्होंने यहां वेस्टइंडीज में आउट स्विंग सीखकर बता भी दिया। तभी तो डेढ़ वर्ष से भी कम के टेस्ट करियर में बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और अब वेस्टइंडीज में पारी में पांच विकेट चटकाए और ऐसा करने वाले पहले एशियाई गेंदबाज बने।

राजस्थान में मुठभेड़ ने लिया सियासी रंग, 10 पुलिसवालों पर हत्या का केस

जागरण संवाददाता, जयपुर

- निष्पक्ष जांच का आश्वासन, पीड़ित परिजनों को पांच लाख का मुआवजा

राजस्थान के धौलपुर जिले में शुक्रवार को पुलिस और अवैध रूप से बजरी ले जा रहे लोगों के बीच हुई फायरिंग में दो की मौत ने राजनीतिक रंग ले लिया है। भाजपा और कांग्रेस के गुर्जर नेताओं के घटना के विरोध में आने के बाद इस मामले में उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दखल दिया है। उनके निर्देश पर 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वह रविवार को पीड़ित परिजनों से मिलने उनके गांव पहुंचे और निष्पक्ष जांच का आश्वासन भी दिया। सरकार की ओर से पीड़ित परिजनों को पांच-पांच लाख की मदद की घोषणा भी की गई।

विरोध में उतरे भाजपा-कांग्रेस के गुर्जर नेता : दो लोगों की मौत के बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया। शनिवार सुबह पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना देकर शवों का पोस्टमार्टम कराया। लेकिन शनिवार दोपहर तक कांग्रेस और भाजपा के गुर्जर नेता मौके पर पहुंच गए। नेताओं ने शवों का अंतिम संस्कार नहीं करने और आंदोलन करने की चेतावनी दी।

मामला सियासी होते देख पायलट ने संभाला मोर्चा : कांग्रेस और भाजपा के गुर्जर नेताओं के इस मामले में कूदने के बाद राज्य सरकार पर दबाव बढ़ गया। मामले को सियासी होता देख राज्य सरकार हरकत में आ गई। पहले मामले को शांत करने के लिए पुलिस महानिरीक्षक बीजू जॉर्ज जोसफ को धौलपुर भेजा गया। लेकिन फिर भी मामला शांत न होता देख शनिवार रात सचिन पायलट ने मोर्चा संभाला। अब पायलट के ही निर्देश पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दरअसल, राज्य में गुर्जर बड़ी संख्या में हैं। किसी भी चुनाव में इस समुदाय की अहम भूमिका होती है। इस कारण कोई भी राजनीतिक दल इस समुदाय को नाराज नहीं करना चाहता।